वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 297 | बुधवार 22 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में 2 दिन नहीं आएगा पानी

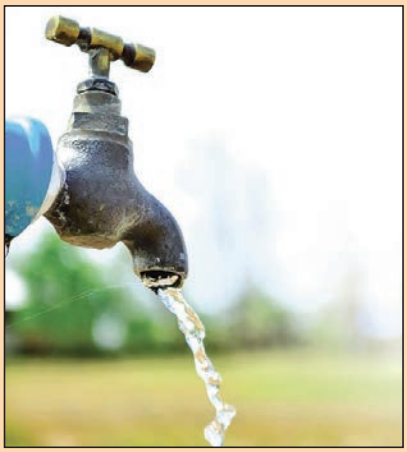

गर्मियों के लिए बीसलपुर से बढ़ाएंगे 220 एमएलडी पानी; दो दिन बंद रखेंगे सप्लाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर में गर्मी का सीजन शुरू हो गया और पानी की मांग बढ़ने लगी है। इसे देखते हुए पब्लिक हैल्थ एंड इंजीनीयरिंग डिपार्टमेंट (पीएचईडी) ने अगले सप्ताह से 220 एमएलडी पानी की सप्लाई बढ़ाने का निर्णय किया है। इस व्यवस्था को शुरू करने के लिए कई काम जयपुर में होंगे, जिसके चलते शहर में 2 दिन पानी की सप्लाई बंद रहेगी। पीएचईडी के एडिशनल चीफ इंजीनीयर आर.सी मीणा ने बताया कि जयपुर में शट डाउन 24 से 26 फरवरी को लिया जाएगा। इस दौरान पूरे शहर में पानी की सप्लाई बंद रहेगी और जरूरत पड़ने पर लोगों को टैंकर या स्थानीय ट्यूबवैल से पानी की सप्लाई करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि अभी जयपुर में 600 एमएलडी पानी की सप्लाई बीसलपुर से की जा रही है, जबकि जयपुर के लिए बांध में 869 एमएलडी पानी रिर्जव रखा है। इसमें से शेष रहे 269 एमएलडी में से 220 एमएलडी पानी की सप्लाई बढ़ाई जाएगी, ताकि गर्मियों में लोगों को ज्यादा पानी उपलब्ध हो सके। जयपुर में पानी की सप्लाई बढ़ाने के लिए संसाधन और फिल्टर का काम बढ़ाना होगा। इसके लिए शटडाउन लिया गया है। इसके तहत 24 फरवरी को जयपुर में शाम की सप्लाई नहीं होगी। वहीं 25 फरवरी को सुबह और शाम दोनों समय की सप्लाई पूरी तरह बंद रखी जाएगी। 26 फरवरी को जिन एरिया में सुबह सप्लाई होता है वहां पानी सप्लाई नहीं किया जाएगा। इस तरह पूरे जयपुर में दो दिन की सप्लाई प्रभावित रहेगी।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा...

मोदी सरकार ओल्ड पेंशन स्कीम के विरोध में...

कहा- इनसे निपट लेंगे, हम निपटना जानते हैं; बजट में पूरी जिंदगी का निचोड़ डाला

जयपुर. कासं

सीएम अशोक गहलोत ने ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर पीएम मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर हमला बोला है। गहलोत ने कहा- हमने इस बार OPS दिया है। केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण OPS का विरोध कर रही हैं। संसद में भी पीएम विरोध कर चुके हैं। OPS लागू करने वाले राज्यों को भला बुरा कहा गया। गहलोत ने कहा इनसे (मोदी- सीतारमण) से हम निपट लेंगे, निपटना जानते हैं। सरकार रिपीट करोगे तो स्कीम्स और मजबूत होंगी। ओपीएस को खत्म नहीं करने देंगे। गहलोत जयपुर जिले में किशनगढ़-रेनवाल के रघुनंदपुरा में मंगलवार को मूर्ति अनावरण समारोह में बोल रहे थे। गहलोत ने कहा कि हमारी कल्याणकारी योजनाएं हैं। सामाजिक सुरक्षा के लिए हैं। ये विश्वगुरु बनने की बात करते हैं। विश्वगुरु तो तब बनोगे जब सामाजिक सुरक्षा के लिए काम करेंगे। विदेशों में सामाजिक सुरक्षा के तहत वीकली पैसा मिलता है। केंद्र सरकार को भी सामाजिक सुरक्षा के लिए कानून बनाना चाहिए। गहलोत ने कहा कि मैंने बजट बनाने में बहुत मेहनत की है। राहुल गांधी ने कहा था कि जनता से पूछकर बजट बनाइए। मैं 10 बजट पेश कर चुका हूं। मेरी सरकार पहली थी, जिसने घोषणा पत्र को कानूनी रूप दिया। तीन-तीन बार सीएम बनना मामूली बात नहीं है। सोनिया गांधी ने

मुझे पहचाना। मेरा हर पल सेवा में गया है। बचपन के संस्कार हैं। जब मैं सांसद बना तो गांव-गांव घूमता था। तीन बार जब सीएम बना तो मेरा अनुभव काम आया। गांव से जो सीखा, वह काम ले रहा हूं। बजट में मैंने अपनी पूरी जिंदगी का निचोड़ रखा है। मैं खुद बजट बनाने के बाद एक-एक चीज बारीकी से देखता हूं। मैं खुद बजट बनाने बैठता हूं, किस प्रकार हर वर्ग का ध्यान रखा जाए। गहलोत ने कहा कि पीएम ने वादा किया था कि ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट पर सकारात्मक सोच रखेंगे। अब याद दिला रहा हूं तो टस से मस नहीं हो रहे हैं। पानी का मंत्री जोधपुर का है, लेकिन उसे परवाह नहीं है। प्रधानमंत्री अब एफ्ढ पर भ्रमित कर रहे हैं। पीएम और पानी के मंत्री यह सोच रखते हैं, यह अच्छी बात नहीं है। बीसलपुर का पानी जयपुर लाने वाले हम लोग हैं। पानी की समस्या क्या होती है, यह राजस्थान से ज्यादा कोई नहीं समझ सकता।

संगठित होकर समाज कार्य करने पर सफलता मिलेगी: मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज

तप कल्याणक में आदि कुमार ने वैराग्य को धारण किया, दीक्षा विधि के संस्कार मुनि पुंगव ने किए

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया

जैनियों को संगठित होकर कार्य करना पड़ेगा राजनैतिक संगठनों को इतना भय हो जाये कि जैनी किसी प्रत्याशी को जिता नहीं सकते लेकिन हरा तो सकते आपके अंदर किसी को भी हराने की क्षमता है आज के समय में ये ही बहुत बड़ी उपलब्धि है इसको तव ही सम्भव मानना जब आप संगठित होकर रहेंगे।आज प्रभु राज व्यवस्था संभलने जा रहे हैं तो ये बात कर लेते है संगठन में शक्ति है इसको समझ कर क्रियान्वयन करना होगा संसार में यदि जीना है तो संगठन बनाना ही पड़ेगा भाई जैसा मीत नहीं विश्वास करना पड़ेगा आज ऋषब देव राज गद्दी संभाल रहे हैं उनकी हम गद्दी सुरक्षित नहीं रख पाये। आज हिंसक लोग सत्ता तक पहुंचाने में कामयाब हो रहें हैं उक्त आश्य के उद्गार शहर की नंदीश्वर कॉलोनी स्थित आदिनाथधाम का श्रीमद् जिनेन्द्र त्रिकाल चौबीस पंचकल्याणक महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ में आज तीसरा दिन तप कल्याणक की विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।प्रातः काल कि वेला से मंगलाष्टक रक्षा मंत्र श्रीजी का अभिषेक एवं शांति धारा एवं नित्यम पूजन प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भइया द्वारा संपन्न कराई गई।

स्यादवाद धर्म नहीं एक दृष्टिकोण है...

मुनि पुंगव ने कहाकि उन्होंने अपने प्रवचन में कहा कि स्यादवाद धर्म नहीं होता एक दृष्टिकोण है। स्यादवाद द्रव नहीं है अनेकांत धर्म है। स्यादवाद धर्म की अभिव्यक्ति करने का साधन है। मुनि श्री ने कहा कि जो देखने में नहीं आता और होता है वह चमत्कार है जैसे भगवान का कोई अभिषेक नहीं कर रहा है हम अभिषेक की अनुभूति कर रहे हैं यही चमत्कार है। आज सत्य से ऊपर उठकर अनुभव करना ये कल्पना है ही नहीं है सत्य है आज महाराजा ऋषभदेव राजगद्दी संभाल रहे हैं तो आप भी अनुभव करें कि हम भी भरत बहुवलि के समय हुएं हैं ये भरत है ब्रह्ममी ये सुन्दरी है ये अनुभव करना है साक्षात राज रिषभ देव राजगद्दी संभाल रहे हैं ऐसा अनुभव करे फिर चमत्कार देखें हम देखते हैं कि आप आहार के समय शुद्धि वोलते है तो हम लोग मान लेते हैं डी एन ए की व्यवस्था है तो फिर जांच क्यों नहीं होती है सब हो सकता है तदभव मोक्ष गामी प्रदुम्न कुमार नकली माता पिता को असली माता पिता मानते हैं हो सकता है लेकिन फिर भी मुनि राज को शुद्धि सुनने को कहा गया है जो श्रावक ने शुद्धि वोली और साधु ने विश्वास कर लिया और आहार लें।

महाराजा ऋषभ देव ने राज व्यवस्था बनाई

महाराजा षभ देव ने सौधर्मेंद्र से विचार-विमर्श किया प्रजा की समस्या का समाधान बताया। महाराज ने कहा जीवन में परिवर्तन आते रहते हैं उतार-चढ़ाव का नियम संसार का है। सुनो तुम्हें उतावला होने की जरूरत नहीं है। उसी समय से वर्ण व्यवस्था शुरू हो जाती है उसी समय से खेती करना हल चलाना शिक्षा देना आदि शुरू हो जाता है तभी महाराज की दोनों बेटियां पहुंचती है ब्राह्मी, सुंदरी पिताजी आपने अक्षर विद्या का ज्ञान दिया मैंने इस पुस्तक में विधिवत तैयार करके देवनागरी विद्या छंद अलंकार आदि समाहित किए हैं। सुंदरी ने कहा पिताजी आपके द्वारा दी गई विद्या से मैंने जोड़ घटाना गुणा भाग नाप आदि की विद्या को व्यवस्थित करके इस पुस्तक को तैयार किया है। जब ब्रह्मी एवं सुंदरी की शादी की बात आती है तो दोनों बहने कहती हैं अपने पिता का सिर दूसरे के चरणों में नहीं झुकने दूंगा मेआजीवन ब्रह्मचारी व्रत का पालन करूंगी मध्यान में ने प्रवचन करते हुए कहा कि पहाड़ की चट्टान पर बैठकर आनंद प्राप्त होता तो समझ लो तुम्हारा मोक्ष का मार्ग प्रशस्त हो रहा है जब सर्दी में नदी किनारे एवं बारिश के समय पेड़ के नीचे बैठने का मन करे तो जल्दी मोक्ष मिलने वाला है। अशुभ के समय सुख की अनुभूति होती है समझ लो मोक्ष जाना है। जहां रात नहीं निकलने वाला सूरज मांगलिक नहीं होता। और कुछ क्षण बाद राजा ऋषभ देव अपना संपूर्ण राज पाठ अपने दोनों पुत्रों को दे करके दीक्षा लिखकर तपस्या करने के लिए वन में चले जाते हैं।

तपकल्याणक महोत्सव में राजाओं ने भेंट दी

कार्यक्रम की मीडिया संयोजक प्रदीप जैन बम्होरी ने बताया कि दोपहर तप कल्याणक का कार्यक्रम शुरू हुआ 132 हजार मुकुबद्र राजा नाभिराय के दरबार में भेंट प्रदान करते हैं सेनापति मुकुबद्र राजा की भेंट राजा के दरबार में रखवा देते हैं। सभी राजा अपने-अपने राज्य एवं अपना परिचय देते हुए भेंट करते हैं कुछ राजा रानी भक्ति कर दरबार से वापस चले जाते हैं महाराज के दरबार में अयोध्या की प्रजा परेशान होकर आती है कहती है महाराजा हमारे जीविका अभी तक कल्पवृक्ष के माध्यम से चलती थी। हम जो भी इच्छा करते थे वह पूरी हो जाती थी। महाराज अब कल्पवृक्ष समाप्त हो रहे हैं हम लोग भूखे मर जाएंगे हम लोग कैसे अपना जीवन चला पाएंगे?

भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा

मुख्य प्रायोजक: R K GROUP, Kishangarh, Rajasthan — lasting impressions — www.rkmarble.com | www.wondercement.com — WONDER CEMENT, EK PERFECT SHURUAAT

सह प्रायोजक: ARL Infratech Ltd.

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन

शनिवार, 25 फरवरी 2023

समय : सायं 7.00 बजे से

:: स्थान ::

भट्टारक जी की नशियां,
नारायण सिंह सर्किल, टोंक रोड़, जयपुर

आंमत्रित कविगण

श्री प्रताप फौजदार (हास्य सम्राट)

श्री बुद्धि प्रकाश दाधीच (हास्य एवं राज. गीतकार) | श्री शम्भू शिखर (हास्य पैरोडी सम्राट) | श्री सुनील व्यास मुंबई (हास्य व्यंग्य) | श्री पी.के.मस्त (हास्य व्यंग्य) | स्वर कोकिला कल्पना शुक्ला (श्रृंगार)

श्री कमलेश जैन 'वसन्त' (मंच संचालन)

आमंत्रित अतिथिगण

समारोह गौरव	मुख्य अतिथि	अध्यक्षता	दीप प्रज्ज्वलनकर्त्ता
श्रीमान् अशोक जी पाटनी आर. के. मार्बल ग्रुप	श्रीमान् नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया ए. आर. एल. ग्रुप	श्रीमान् विनोद जी तिजारिया प्रमुख समाज सेवी	श्रीमान् उमराव मल जी संघी अध्यक्ष-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा सम्पादक-दैनिक समाचार जगत	श्रीमान् सुरेन्द्र जी पाण्ड्या राष्ट्रीय महामंत्री-दिगम्बर जैन महासमिति	श्रीमान् निर्मल जी सौगानी सदस्य-नेशनल रोड़ सेफ्टी कॉउन्सिल (NRSC)	श्रीमान् विनय जी सौगानी प्रमुख व्यवसायी एवं समाज सेवी	डॉ. पी.सी. जैन प्रमुख समाज सेवी	श्रीमान् जितेन्द्र जी गंगवाल मेडिकल व्यवसायी एवं समाज सेवी

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन के आमंत्रित इन्दौर से राष्ट्रीय पदाधिकारीगण

जयपुर मे प्रथम बार आगमन

राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महासचिव	निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	संयुक्त सचिव
श्रीमान् राकेश जी विनायका	श्रीमान् विपुल जी बॉझल	श्रीमान् कमलेश जी कासलीवाल	श्रीमान् विमल जी अजमेरा	श्रीमान् आशीष जी सूत वाले

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं ।

:: आयोजन समिति ::

मुख्य समन्वयक	परामर्शक	समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक
यश कमल - संगीता अजमेरा	दर्शन - विनीता बाकलीवाल	मनीष - शोभना लोंग्या	विनोद - हेमा सोगानी	चक्रेश -पिंकी जैन	राजेश - रानी पाटनी	अनिल - ज्योति जैन चौधरी

संयोजक :: धीरज-सीमा पाटनी, नितेश-मीनू पाण्ड्या, संजय-ज्योति छाबड़ा, सपन-रजनी जैन छाबड़ा, पंकज-नीना जैन, विजय-माया झांझरी, सुधीर-अलका गोधा, अजय-वर्षा बाकलीवाल

सहयोगी दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप :: जयपुर मेंन, गुलाबी नगर, आदिनाथ, नवकार, जैन भारती, मैत्री, डायमंड, वर्धमान, पार्श्वनाथ, तीर्थंकर, ब्लू स्टार, पिंक पर्ल, वात्सल्य, संगिनी फॉरएवर, सम्यक, वीर, जनक श्री, स्वस्तिक, विराट, मालपुरा, गंगापुर सिटी, दौसा, सीकर, श्री महावीर जी

ग्रुप संयोजक :: डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन, सुनील बज, कैलाश चन्द बिंदायका, मोहनलाल गंगवाल, श्रीमती प्रमिला शाह, सुनील जैन, प्रमोद सोनी, अनिल पाटनी, रवि सेठी, ईजी. पी.सी. छाबड़ा, डॉ.मोहन लाल जैन 'मणी', राजेश चौधरी, श्रीमती बीना टोंग्या, श्रीमती शकुन्तला बिन्दायका, महावीर बोहरा, नीरज जैन, सतीश बाकलीवाल, बसंत जैन

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

अध्यक्ष	परामर्शक	कार्याध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव
राकेश-समता गोदिका	दिनेश-संगीता गंगवाल	मनीष-शोभना लोंग्या	सुनील-सुनीता गोदिका	चक्रेश-पिंकी जैन	राकेश-रेणु संघी	महेन्द्र-सुनिता कासलीवाल	अनिल-निशा संघी

कोषाध्यक्ष	संगठन सचिव	संगठन सचिव	संयुक्त सचिव	संयुक्त सचिव	सांस्कृतिक सचिव	खेल सचिव
अनिल-अनिता जैन	राजेश-रितु छाबड़ा	राजेश-रानी पाटनी	प्रदीप-प्राची बाकलीवाल	चेतन-डॉ.अनामिका पापडीवाल	कमल-मंजु ढोलिया	राजेन्द्र-कुसुम जैन

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल-ज्योति चौधरी ✲ डॉ अनुपम-विनीता जैन ✲ सपन-रजनी छाबड़ा ✲ नितेश-मीनू पाण्ड्या विशेष आमंत्रित : अशोक-अर्चना पाटनी ✲ अशोक सेठी

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

अध्यक्ष	संस्थापक अध्यक्ष	वरिष्ठ परामर्शक	परामर्शक	परामर्शक	निर्वतमान अध्यक्ष	पूर्व अध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	महासचिव
राजेश बड़जात्या	अनिल जैन IPS	महेन्द्र कुमार पाटनी	सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या	नवीन सेन जैन	यश कमल अजमेरा	अतुल बिलाला	पारस कुमार जैन	निर्मल संघी

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249, 9414073035

राकेश - समता गोदिका

अध्यक्ष : दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

वेद ज्ञान

समाधान प्रश्नों का...

मानव जीवन प्रश्नों से जुड़ा है। जीवन की प्रत्येक घटना जो मन को स्पंदित करती है, अनायास ही नए प्रश्नों को जन्म देती है। इसी तरह परिस्थितियां व परिवेश स्वाभाविक ही अंतसचेतना में प्रश्नों को जन्म देती हैं। प्रश्नों का क्रम न तो रुकता है और न थमता है बस नित्य-निरंतर-अविराम चलता रहता है। वस्तुतः प्रश्न कई प्रकार के होते हैं। जिज्ञासावश मन में उठने वाला भाव प्रश्न है। प्रश्न के बाद पुनः पूछने का क्रम प्रतिप्रश्न है तो कुछ लोग किसी विषय पर इतने प्रश्न पूछते हैं कि मूल विषय से ध्यान ही भटक जाए ऐसा करना-अतिप्रश्न है और अनावश्यक भी। किसी दुर्भावनावश अप्रासंगिक प्रश्न पूछना कुप्रश्न कहलाता है। प्रश्नकर्ता का भाव विकसित करने के लिए सर्वप्रथम 'ईगो' को त्याग कर विनम्रता, शिष्यता और जिज्ञासु भाव को विकसित करना आवश्यक है। ऐसा इसलिए, क्योंकि प्रत्येक प्रश्न मन के मौन को तोड़ता है। मन में अशांति, बेचैनी व तनाव को जन्म देता है। ये प्रश्न जितने अधिक, जितने गहरे व जितने व्यापक होते हैं, मन की अशांति, बैचेनी व तनाव भी उतना ही ज्यादा गहरा और व्यापक होता जाता है। इसी अशांति, बैचेनी और तनाव में अपनी ही कोख में उपजे प्रश्न या प्रश्नों के उत्तर खोजने की व्यक्ति कोशिश करता है। उसे अपने इस प्रयास में सफलता मिलती है। उत्तर मिलते भी हैं, पर नए प्रश्नों के साथ कोई न कोई प्रश्न चिपक ही जाता है। साथ ही बढ़ जाती है बैचेनी और अशांति, क्योंकि कोई भी घटना, फिर वह चाहे प्रश्न की हो या उत्तर की, मन में लहरें व हिलोरें पैदा करेंगी। मन को तनाव, बैचेनी व अशांति से ही भरेंगी। इस समस्या का समाधान तभी है जब मन की लहरें मिटें, हिलोरें हटें। फिर न कोई प्रश्न उभरेंगे और न किसी उत्तर की खोज होगी। इसके लिए मन को मौन होना होगा। केवल तभी चेतना प्रश्नों के पार जा सकेगी। तभी यह समझ में आएगा कि पूछने को कुछ नहीं है। उत्तर पाने को कुछ नहीं है। इसी को समाधि कहते हैं जहां सभी प्रश्न स्वाभाविक ही गिर जाते हैं। जहां बैचेनी, अशांति, तनाव अपने आप ही मिट जाता है।

संपादकीय

प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए करनी होगी तैयारी...

हाल ही में तुर्किये और सीरिया में रिक्टर पैमाने पर 7.8 की तीव्रता के भूकंप ने भयंकर तबाही मचाई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, तुर्किये में 17.9 किलोमीटर की गहराई में उत्पन्न हुए भूकंप का केंद्र सीरिया की उत्तरी सीमा के पास दक्षिणी तुर्किये था। तुर्किये में आए भूकंप की एक विशेष बात यह है कि यहां केवल एक भूकंप नहीं आया, बल्कि एक बड़े झटके के बाद सौ से अधिक छोटे-छोटे झटके देखने को मिले जिनकी तीव्रता चार-पांच के आसपास थी। हालांकि कुछ झटके ऐसे भी रहे जिनकी तीव्रता 7.5 से ज्यादा थी। भूकंप आने के बाद अक्सर कई घंटे या कई दिन तक झटके आते रहते हैं। वैसे तो ये झटके मुख्य भूकंप की तुलना में कमजोर होते हैं, लेकिन इनकी वजह से जान माल की क्षति और बढ़ती है। किसी ''**फाल्ट**'' यानी सतह के नीचे दो चट्टानों के बीच विभाजन क्षेत्र में एक बड़े भूकंप के बाद आने वाले झटके भी दरअसल भूकंप की ही कड़ी होते हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

के अनुसार, तुर्किये का बड़ा भूकंप और उसके बाद के सभी झटके सतह के करीब से उत्पन्न हुए थे। इसी कारण ये अधिक विनाशकारी थे। दरअसल भूकंप सतह से जितने करीब उत्पन्न होता है, नुकसान उतना ही अधिक होता है। जानकारों के अनुसार, इस भयंकर भूकंप के कारण तुर्किये दस फीट तक खिसक गया है। ऐसा यूरेशियन और अफ्रीकी टेक्टोनिक प्लेटों के खिसकने के कारण हुआ है। क्या भूकंप का अनुमान लगाया जा सकता है? इसका उत्तर है कि सैद्धांतिक रूप से हां, लेकिन व्यावहारिक रूप से नहीं। दरअसल भूकंप की उत्पत्ति वाले स्थान को अवकेंद्र (हाइपोसेंटर) और पृथ्वी की सतह के जिस स्थान को भूकंप सबसे पहले छूता है, उस स्थान को उपरिकेंद्र (एपिसेंटर) कहते हैं। चूंकि अवकेंद्र और उपरिकेंद्र के बीच बहुत अंतर होता है, इसलिए भूकंपीय तरंगों को अवकेंद्र से उपरिकेंद्र सेंटर तक पहुंचने में बहुत समय लगता है। इसके अलावा भूकंपीय तरंगों की गति प्रकाश की गति से बहुत कम होती है। भूकंपीय तरंगें पांच से तेरह किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से गति करती हैं, जबकि प्रकाश की गति तीन लाख किलोमीटर प्रति सेकंड है। स्पष्ट है कि दोनों के बीच बहुत ज्यादा अंतर होता है। इसी अंतर का फायदा उठाते हुए हम भूकंप का पूवार्नुमान लगा सकते हैं। लेकिन यह अंतर बहुत ही कम यानी कुछ नैनो सेकेंड का ही होता है। इसका कोई फायदा नहीं क्योंकि अगर एक सेकंड पहले ये पता चल भी जाए कि भूकंप आने वाला है तो कुछ किया नहीं जा सकता, क्योंकि क्षण मात्र में हजारों लोगों तक इसकी सूचना पहुंचाना और उन्हें सुरक्षित जगह भेजना नामुमकिन है। सवाल उठता है कि तुर्किये में इतने भूकंप क्यों आते हैं? दरअसल, तुर्किये की जटिल भौगोलिक संरचना उसे भूकंप के लिहाज से बहुत ज्यादा संवेदनशील बना देती है। इसका अधिकांश हिस्सा मुख्य रूप से अनातोलिया के 'टेक्टोनिक ब्लॉक' पर स्थित है। इसके अलावा यह तीन तरफ से तीन बड़ी टेक्टोनिक प्लेट से घिरा हुआ है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भ्रष्टाचार...

जब जनतंत्र बाजार-तंत्र में बदल जाता है तो सरकार के स्वतंत्र रूप से नीति निर्माण करने के पक्ष पर भी प्रश्नचिह्न लग जाता है। सरकार किसके हित में नीतियों का निर्माण करती है, जैसे सवाल महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं। इसलिए आवश्यकता है कि कुछ सवालों पर समय रहते चिंतन-मनन किया जाए, ताकि आर्थिक असमानता को सीमित किया जा सके और समग्र विकास आकार ले सके। एक अच्छा लोकतंत्र वह है, जिसमें राजनीतिक और सामाजिक न्याय के साथ-साथ आर्थिक न्याय की व्यवस्था भी है। इसमें नागरिक सर्वोपरि होता है। पर वर्तमान में पूंजीवाद के विस्तार के कारण बाजार सर्वोपरि हुआ है, जिसने नवउदारवादी व्यवस्था को उत्पन्न किया जो हस्तक्षेप की नीति की समर्थक है और राज्य के कल्याणकारी चरित्र को देश के आर्थिक विकास में बाधक मानती है। नवउदारवादियों का तर्क है कि राज्य को आर्थिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, बल्कि मुक्त व्यापार या खुले बाजार का समर्थन करना चाहिए। जब बाजार स्वतंत्र होगा तो देश का विकास भी तीव्र गति से होगा। राज्य का कार्य केवल नीति निर्माण करना है, सेवा कार्य करना नहीं। यानी सड़क, रेल, पानी, बिजली, स्वास्थ्य जैसे सेवा कार्य राज्य के कार्य नहीं हैं, क्योंकि ऐसा करने के लिए वह समर्थ लोगों या पूंजीपतियों, व्यापारियों पर कर लगाते हैं और उससे एकत्र धन को असमर्थ या गरीब लोगों के कल्याण और उत्थान पर खर्च करते हैं। राज्य को इस कार्य के लिए अपने और जनता के बीच मध्यस्थ की जरूरत होती है, परिणामस्वरूप प्रशासन-तंत्र का उभार होता है। प्रशासन-तंत्र जैसी औपचारिक व्यवस्था के कारण लालफीताशाही उत्पन्न होती है, जो भ्रष्टाचार का एक स्वरूप है। इन सबके कारण देश का विकास अवरुद्ध हो जाता है। इसलिए नवउदारवादी व्यक्ति की स्वतंत्रता और कल्याणकरी राज्य की आलोचना करते हैं। इसमें भी कोई संदेह नहीं है कि अपनी इन्हीं विशेषताओं के कारण वे पूरे विश्व को एक बाजार के रूप में देखते हैं। विशेष रूप से सोवियत संघ के विघटन के बाद या 1991 के बाद से उदारवाद, निजीकरण और वैश्वीकरण की प्रक्रियाओं ने बाजार केंद्रित विचारधारा को मजबूती प्रदान कर दी। वैश्विक गांव, वैश्विक बाजार, वैश्विक राजनीति की अवधारणाओं ने सभी देशों और सभी राज्यों के बीच की भौगोलिक सीमाओं को ही समाप्त कर दिया। अब जब बाजार स्वतंत्र है तो व्यक्ति और राज्य का नियंत्रण में होना स्वाभाविक है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बाजार के गैर-नियंत्रणकारी चरित्र ने आर्थिक असमानता में वृद्धि की है। हाल में आई आक्सफैम इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार भारत की एक प्रतिशत जनसंख्या के पास अब देश की कुल संपत्ति का चालीस प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा है। जबकि नीचे की पचास फीसद आबादी के पास कुल संपत्ति का केवल तीन प्रतिशत हिस्सा है। या कहें कि 2022 तक भारत में अरबपतियों की संपत्ति में 121 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह दलील भी दी जाती है कि अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई और समाज में आर्थिक असमानता के लिए राज्य का कल्याणकारी चरित्र जिम्मेदार है। इसलिए राज्य को आर्थिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। अप्रत्यक्ष रूप से यह व्यवस्था निजीकरण का समर्थन करती नजर आती है। आज हर क्षेत्र में निजीकरण अपने पैर प्रसार भी रहा है, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, निर्माण कार्य, बिजली आदि। बाजार केंद्रित अर्थव्यवस्था का यह कहना है कि प्रशासन-तंत्र के कारण भ्रष्टाचार पनपा, इसलिए अब प्रशासन-तंत्र की जरूरत नहीं है। अब तो ऐसा समय आ गया है जब भ्रष्टाचार के अनेक स्वरूप उभर कर आए हैं।

श्री दिगम्बर जैन 1008 पार्श्वनाथ मन्दिर नसियां विराट नगर में श्रीमज्जिनेन्द्र कुन्थुनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ का तीसरा दिन

दुनिया में वीतराग परमात्मा से बढ़कर और कोई नहीं

जन्मकल्याणक जूलूस व 1001 कलशों के अभिषेक में गूंजे श्रीजी के जयकारे

जयपुर. शाबाश इंडिया

अरावली पर्वत शृंखला में स्थित पौराणिक नगरी विराटनगर में श्री दिगम्बर जैन 1008 पार्श्वनाथ मन्दिर नसियां में तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी गुरुदेव के पट्ट शिष्यचर्या शिरोमणि प्राकृताचार्य आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में चल रहे 6 दिवसीय श्रीमज्जिनेन्द्र श्री कुन्थुनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के तीसरे दिन मंगलवार को भगवान का जन्मकल्याणक महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष संतोष जैन व मन्त्री विनोद जैन ने जानकारी देते हुये बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान भव्यता के साथ निकली श्रीजी की शोभायात्रा और पांडुक शिला पर जयकारों के बीच 1008 कलशों से जन्माभिषेक किया। जन्मकल्याणक के अनुपम दृष्यों को देख श्रद्धालू भाव विभोर हो उठे। आयोजन से जुड़े राजीव गाजियाबाद ने बताया कि जन्म कल्याणक महोत्सव के दिन मंगलवार को प्रतिष्ठाचार्य पंडित महावीर गीगला उदयपुर व जयपुर के डॉ.सनत कुमार जैन व ब्रह्मचारी विनय भैया के निर्देशन में सुबह श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा के पश्चात हवन,जिनेन्द बाल सूर्य का जन्मकल्याणक संबंधी एवं सौभाग्यवती के द्वारा आकर शुद्धि करना, शचि इन्द्राणी द्वारा बाल शिशु को सौधर्म इन्द्र को सौंपने के दृश्य हुए।इस मौके पर हुई धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि जिनशासन को बढ़ाने वाली महिला को संतान पैदा हो सकती है। हर कोई वामादेवी व त्रिशला माता नहीं बन सकती। भक्ति करके ऐसी संतान तो उत्पन्न हो सकती है। घर में अगर बच्चा पैदा होता है तो सूतक लग जाता है,लेकिन जब तीर्थंकर बालक का जन्म होता है तो ऐसे नारकी जिनका जीवन भर सूतक लगता है,एनको भी एक पल के लिए शांति मिल जाती है। तीर्थंकर का रूप उतना संदर होता है कि देवता लोग भी भगवान के बाल रूप को देखने के लिए तरस जाते है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया में वीतरागता परमात्मा से बढ़कर और कोई नहीं है। अगर मंजिल तक पहुंचना है तो सामान कम रखिए और जीवन को यदि आसानी से जीना है जो जंजालों को कम रखिए। मुख्य संयोजक रुपेन्द्र छाबड़ा ने बताया कि इसके बाद महोत्सव के तहत कार्यक्रम स्थल से नगर तक भगवान के जन्मकल्याणक की शोभायात्रा निकाली गई। बैंड बाजों के साथ निकली इस शोभायात्रा हाथी व बग्गियों पर सौधर्म इन्द्र सहित अन्य इन्द्र-इन्द्राणी चल रहे थे और ध्वजा लेकर श्रावक लेकर चल रहे थे। शोभायात्रा में गूंज पारस प्यारा लागे...तुमसे लागी लगना...रोम-रोम से निकले प्रभुवर ...जैसी भजनों पर श्रावक-श्राविकाएं भाव-विभोर होकर नाच रहे थे,जिन-जिन मार्गों से यह शोभायात्रा गुजरी,वे सभी मार्ग भक्ति औा आस्था के रंग में डूबे नजर आए। यह शोभायात्रा भगवान के बालरूप के साथ पांडुंक शिला पर पहुंची,वहां पर सौधर्म इन्द्र श्रीमती आशा धर्म चन्द पहाडिया,धनपति कुबेर श्रीमती सीमा राजीव गाजियाबाद वाले,महायज्ञनायक व ईशान इन्द्र सहित अन्य इन्द्र-इन्द्राणियों ने मंत्रोच्चारण के साथ भगवान का 1008 कलशों से अभिषेक किया गया। इसके बाद श्रंगार,नामकरण,जन्मकल्याण के संस्कार तथा सन्ध्या समय को भगवान का पालना व भगवान की बालक्रीड़ाएं हुई। सह प्रतिष्ठाचार्य रमेश गंगवाल ने बताया कि महोत्सव के तहत बुधवार को सुबह 6.30 बजे से तपकल्याणक मनाया जाएगा। जिसके तहत जन्मकल्याणक पूजा,तीर्थंकर प्रभु का वनविहार, दृष्य, व दोपहर मे 12.30 बजे युवराज अभिषेक,महाराजा सूर्यसेन का दरबार भगवान का वैराग्य,दीक्षा व शाम को 7 बजे से श्री कुन्थुनाथ के 10 भवों के नाटकों का मंचन किया जाएगा।

वैशाली नगर कांग्रेस मंडल कार्यकारिणी घोषित

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार, झोटवाड़ा विधायक एवं प्रदेश सरकार में कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया के अनुमोदन उपरांत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितेंद्र कायथवाल और वैशाली नगर मंडल अध्यक्ष मोहित जैन ने वैशाली नगर मंडल की कार्यकारिणी घोषित कर दी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्धारित प्रोफॉर्मा अनुसार कार्यकारिणी में अध्यक्ष के अतिरिक्त 31 सदस्य मनोनीत किए गए हैं। इनमें से एक संगठन महामंत्री, पांच उपाध्यक्ष, पांच महासचिव, सात सचिव, एक कोषाध्यक्ष और 10 सदस्यों सहित एक प्रवक्ता तथा एक सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त हुए हैं।

संगठन महासचिव के पद पर पश्चिम विहार निवासी राजेंद्र झाझड़िया तथा प्रवक्ता पद पर भरत लाखीवाल और सोशल मीडिया प्रभारी प्रियांश गुप्ता मनोनीत किए गए हैं। मंडल अध्यक्ष मोहित जैन ने अवगत कराया कि वैशाली नगर के वार्ड नंबर 52, 54 एवं 55 के मुख्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ युवाओं एवं महिलाओं को कार्यकारिणी में तरजीह दी गई है।

सखी गुलाबी नगरी ने रचा नया इतिहास

जयपुर. शाबाश इंडिया

सखी गुलाबी नगरी ने नये सत्र 2023-24 के लिए मात्र 2 दिन में सदस्यों की संख्या 300 के पार करके अपना ही पुराना रिकॉर्ड तोड़कर महिला संगठन में नया इतिहास रचा। अध्यक्ष सारिका जैन ने बताया की सखी गुलाबी नगरी के द्वारा पूर्व में किए गये कार्यक्रमों के कारण नये सत्र के लिए दिये गये समय से पूर्व ही संस्था के सदस्यता के लक्ष्य को हमने प्राप्त कर लिया। इसलिये हमें मजबूर होकर सदस्यों के प्रवेश को बंद करना पड़ा। सचिव स्वाति जैन ने बताया की ये हमारी संस्था के प्रति सदस्यों का उत्साह व विश्वास ही है जिससे हमें नयी ताकत मिलती है। हम भविष्य में सदस्यों की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

शास्वत तीर्थ सम्मेदशिखर तीर्थ वन्दना के लिए 118 यात्रियों का पहला जत्था रवाना होगा आज

दूसरा 82 यात्रियों का जत्था 23 फरवरी को होगा रवाना

विमल जौंला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में सम्मेदशिखर यात्रा के लिए पार्श्वनाथ उधान जैन नसियां मंदिर से पहला जत्था 22 फरवरी को एवं दूसरा जत्था 23 फरवरी को गाजेबाजे के साथ रवाना होगा। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला व शंभु कठमाणा ने बताया कि आचार्य पदमनन्दी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणा से समाजसेवी गोपाल कठमाणा के सानिध्य में निवाई से सम्मेदशिखर यात्रा के लिए गाजेबाजे से रवाना होंगे। जौंला ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जैन धर्म का सर्वोच्च तीर्थ सम्मेदशिखर यात्रा के लिए 22 फरवरी को 118 यात्री एवं 23 फरवरी को 82 यात्री जयधोष के साथ रवाना होंगे। सम्मेदशिखर यात्रा जाने वाले 200 यात्रियों का पंजीकरण किया गया है। समाजसेवी शंभु कठमाणा ने बताया कि यह सभी यात्री निवाई से रवाना होकर जयपुर रेल मार्ग से झारखंड राज्य स्थित ईसरी पार्श्वनाथ होते हुए गिरीडीह जिले के मधुबन सम्मेदशिखर पहुंचेंगे जहां 25 फरवरी को गाजेबाजे के साथ शोभायात्रा निकालकर शांति मण्डल विधान की रचना कर पूजा अर्चना करेंगे। 26 फरवरी को ललित कुट पर भगवान चंद्र प्रभु के मोक्ष कल्याणक दिवस पर निर्वाण लड्डू चडाकर सम्मेदशिखर के शिखरों की वन्दना करेंगे। 27 फरवरी को अष्टान्हिका महापर्व की वन्दना करके पूजा अर्चना करेंगे। यात्रा के तहत व्यवस्थापक सुरेन्द्र जैन ने 200 यात्रियों का पंजीकरण करके सभी यात्रियों से सुखमय जीवन एवं शांति सद्भावना बनाने के लिए अपील की। उन्होंने बताया कि सम्मेदशिखर यात्रा संध के तत्वावधान में सभी यात्री 28 फरवरी को वापस आयेंगे।

राजस्थानी कहावतों, बातों और छंदों का रोचक व अभिनव संयोजन है नाटक 'भेळी बात'

जयपुर. शाबाश इंडिया

मायड़ भाषा का दिवस हो और राजस्थान की धरती पर राजस्थानी संस्कृति की बात न हो भला ऐसा कैसे हो सकता है। इसी अवसर पर अनिल मारवाड़ी का लिखा, निर्देशित व अभिनीत किया राजस्थानी भाषा और संस्कृति से रचा बसा सजीला नाटक 'भेळी बात' नाट्य प्रयोग एसएसजी पारीक शिक्षा स्नातकोत्तर महाविद्यालय बनी पार्क जयपुर में प्रस्तुत किया गया। 'भेळी बात' ठेट राजस्थानी भाषा की शब्दावली है। 'भेळी' शब्द का आशय इकट्ठा होने से है और 'बात' का मतलब है कहानी या संवाद करना। भेळी बात नाटक में राजस्थानी भाषा की कहावतें, किस्से, दोहे और छंद भी हैं। अपनी इसी बुनावट में नाटक बड़ी रोचकता से राजस्थानी भाषा और संस्कृति को मंच पर जीवंत कर देता है। राजस्थान में किस्साहोई की एक चर्चित शैली है बातपोशी। इसी शैली का प्रयोग करते हुए दर्शकों को राजस्थानी सुनने , बोलने और समझाने को प्रयास किया जाता है। दर्शक दीर्घा में बैठा दर्शक भी नाटक का पात्र बन अभिनेता के साथ अभिनय में सहयोग करता है और आद्यंत नाटक के प्रवाह में साथ बहता है। इस प्रयोगिक नाटक में दर्शक राजस्थानी वस्त्र भी पहनता है तो राजस्थानी बोलता भी है साथ ही राजस्थानी संस्कृति से रूबरू भी होता है। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रमिला दुबे ने बताया कि राजस्थानी लोककथा, गीत, साहित्य एवं गौरवशाली इतिहास से सजे अनिल मारवाड़ी के इस नाटक में जहां स्वयं वे मंच पर होते हैं, अनिल ने राजस्थानी भाषा को अभिनय के माध्यम से इतनी सहजता और सरलता से प्रेक्षा ग्रह में बैठे दर्शकों तक पहुंचाया कि वह इस बात के लिए प्रण कर उठे कि वह अब राजस्थानी भाषा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करेंगे उनके साथ सह अभिनेता मनोज स्वामी हैं। नाटक का संगीत पक्ष मुकेश सैनी, प्रकाश व्यवस्था राजेन्द्र शर्मा ''राजू'' व मंच सज्जा आलोक पारीक व तपेश शर्मा ने संभाली।

श्री मज्जिनेन्द्र चिंतामणि पार्श्वनाथ तीर्थंकर पंच कल्याणक समारोह का आयोजन

निमियाघाट (गिरिडीह). शाबाश इंडिया। पारसनाथ की तलहटी पर निमियाघाट में स्थित जैन तीर्थस्थल पुरुषार्थ आश्रम में श्री 1008 श्री मज्जिनेन्द्र चिंतामणि पार्श्वनाथ तीर्थंकर दिगंबर जिनविंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव भव्य रूप में 18 फरवरी से 22 फरवरी तक अन्तर्मना आचार्य श्री के मंगल सानिध्य में हो रहा है। जिसमे आज चौथे दिन 1008 पारस नाथ भगवान का ज्ञान कल्याणक अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज के सानिध्य में धूमधाम से हुआ। महोत्सव में झारखंड सहित विभिन्न राज्यों से पहुंचे जैन श्रद्धालु महिला-पुरुष शामिल हुए। मंदिर निर्माण कर्ता विजय-राजू देवी कासलिवाल कोलकोत्ता के द्वारा करवाया गया । सुबह में नित्य भक्ति अभिषेक व शांतिधारा के बाद पंचकल्याणक की पूजा की गई। पूजा में आज आचार्य श्री ने आहार की किर्या के बारे में बताया कि एक भगवान को आहार करना सेकड़ो मुनिराज को आहार कराने से ज्यादा पुण्य है । इस संसार मे अपनी नजरिया को ठीक करने से सब जगह अच्छा और सकारात्मक दिखेगा ओर जिसकी नजरिया अच्छी नही है उसे सब जगह बुराई दिखेगा ।इस संसार मे बुरा कुछ भी नही है नजरिया ही सब कुछ है ।गांधी जी ने कहा था कि बुरा मत देखो,बुरा मत सुनो,बुरा मत कहो मगर हम कहते है इससे पहले बुरा सोचना बंद करो तो सब कुछ अपने सही हो जाएगा ।इसके बाद आज पारसनाथ कुमार को तरुण भैया ले कर आहार के लिए निकले सेकड़ो लोग आहार देने के लिए लाइन में थे इसमे आहार देने का सौभाग्य मिला इस किर्या में बाद सभी साधु गण की आहार चर्या हुई। दिन में समोसरण लगाया गया,समवसरण का उद्घाटन मनोज जैन धनबाद ने किया इसके बाद अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महामुनिराज ने सभी भक्तों के जिज्ञाशा का समाधान किया। सोधर्म इंद्र ने प्रश्न किया कि मनुष्य अंधा,बहरा, गंगा क्यो होता है ? समवसरण में बैठे अन्तर्मना आचार्य श्री ने बताया कि जो जीव धर्म की बाते सुन करके मुख मोड़ लेता है, धर्म की वाणी को सुनकर के अनसुना करता है ,और धर्म का लाभ लेता है ऐसा मनुष्य अंधा बहरा ओर गूंगा होता है। एक जिज्ञासु ने प्रश्न किया कि मनुष्य त्रियंच क्यो होता है ? अन्तर्मना ने बताया कि जो धर्म का पैसा को अपने जीवनोपयोगी में लगता है वो नियम से त्रियंच बनता है। देव गति के मनुष्य ने प्रश्न किया कि मनुष्य निर्धन क्यो होता है ? अन्तर्मना आचार्य श्री ने बताया कि जो मनुष्य दान देता है उसका हँसी उड़ाना, उससे जलना ये करने से मनुष्य नियम से निर्धन होता है। संध्या में सेकड़ो भक्तों ने गुरु भक्ति भक्ति भाव के साथ किया गया।

जहां लिखा गया सत्यार्थ प्रकाश, उस नवलखा महल के नवस्वरूप का लोकार्पण 26 को

गुजरात के राज्यपाल और असम राज्यपाल सहित सिक्किम के पूर्व राज्यपाल भी होंगे खास मेहमान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

19वीं सदी के महान विचारक, वेदों के महान व्याख्याता, महर्षि दयानन्द सरस्वती 10 अगस्त 1882 को उदयपुर पधारे थे और तत्कालीन महाराणा सज्जन सिंह ने उन्हें अपने अतिथिगृह गुलाबबाग स्थित नवलखा महल में ठहराया। यह वही स्थान है जहां महर्षि दयानन्द सरस्वती ने सत्यार्थ प्रकाश की रचना की। यह स्थल ऐतिहासिक धरोहर के रूप में अब उदयपुर में आर्य समाज का प्रमुख केन्द्र होने के साथ देशभर में चर्चित है। पिछले वर्षों से जारी इसके जीर्णोद्धार कार्य के पूर्ण होने पर अब इसके नवस्वरूप का लोकार्पण 26 फरवरी को गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत करेंगे। श्रीमद दयानंद सत्यार्थ प्रकाश न्यास उदयपुर के अध्यक्ष अशोक आर्य ने मंगलवार को लोकार्पण कार्यक्रम तथा नवस्वरूप की अवधारणा की विस्तृत जानकारी पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय समारोह में पहले दिन 26 फरवरी को पहले नवलखा महल सांस्कृतिक केन्द्र का लोकार्पण होगा। **दूसरे दिन के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हाल ही असम के राज्यपाल मनोनीत गुलाबचंद कटारिया होंगे। अध्यक्षता जेबीएम ग्रुप के चेयरमैन सुरेन्द्र कुमार आर्य करेंगे।** सिक्किम के पूर्व राजयपाल बाबू गंगा प्रसाद भी इस अवसर पर विशेष अतिथि होंगे। इनके अलावा भी कई विभूतियां कार्यक्रम में शामिल होंगी। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अमृतलाल तापड़िया और न्यास मंत्री भवानीदास आर्य ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर है। नवलखा महल सांस्कृतिक केन्द्र के नवस्वरूप के बारे में डॉ. अशोक आर्य ने बताया कि यह अपनी तरह का ऐसा पहला केन्द्र है जहां जीवन के सत्य, संस्कारों और वेदों में वर्णित ज्ञान को सरल रूप में समझाने का प्रयास किया गया है। जीवन के 16 संस्कारों को झांकियों के रूप में बनाया गया है और उनके बारे में समझाने के लिए ऑडियो की भी व्यवस्था की गई है जिसे क्यूआर कोड स्कैन करके कोई भी सुन सकता है। इसका अंग्रेजी अनुवाद भी करवाया जा रहा है। वेद मंत्रों के अर्थ दृश्यात्मक रूप से समझाए गए हैं। छोटा थियेटर भी बनाया गया है जिसमें महापुरुषों के बारे में फिल्म का प्रदर्शन किया जाएगा। भारत गौरव दर्शन दीर्घा भी बनाई गई है। आर्य ने बताया कि किसी भी महापुरुष के व्यक्तित्व निर्माण में माता की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। ऐसी 10 माताओं के वर्णन वाली भी दीर्घा बनाई गई है। उन्होंने बताया कि इन सभी का दर्शन सिर्फ 30 रुपये के प्रवेश शुल्क पर रखा गया है। हालांकि, विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के सामूहिक आगमन पर विद्यालय के आग्रह पर प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है। न्यास स्कूलों को स्वयं पत्र लिखकर यह जानकारी दे रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रयास किया जा रहा है कि न्यास के पास एक बस की व्यवस्था हो जाए ताकि जिन स्कूलों के पास बस नहीं है, उनके बच्चों को लाने-छोड़ने के लिए न्यास बस उपलब्ध करा सके। न्यास का लक्ष्य है कि भारतीय संस्कारों के इस दर्शन को उदयपुर के 15 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी लोग देखें। पर्यटन विभाग के पोर्टल पर इस स्थल की जानकारी दी गई है। आर्य ने कहा कि गुलाबबाग स्थित नवलखा महल की अपनी ऐतिहासिक पहचान और संस्कारों का वाहक बने, इसी उद्देश्य से इसे नया स्वरूप दिया गया है। संस्कारों की सुगंध से पूरा संस्कार सुवासित हो सके, इसके लिए परिसर में पर्यटकों पर फोटो-वीडियो की कोई पाबंदी नहीं रखी गई है।

रिपोर्ट: राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल :9829050939

सभी मिलकर छिपी प्रतिभाओं को आगे लाएं: माधवानी

उदयपुर. शाबाश इंडिया

उद्योगपति एवं समाजसेवी मुकेश माधवानी ने कहा कि भारत में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हमारे आसपास ही ऐसी कई प्रतिभाएं होती हैं जो विविध कारणों से आगे नहीं बढ़ पाती है और उनकी प्रतिभा दबकर रह जाती है। लेकिन अगर हम सभी मिलकर ऐसी प्रतिभाओं को आगे लाने का बीड़ा उठाए तो देश में कई प्रतिभाएं निकलकर सामने आएंगी और उन्हें वह मंच मिल सकेगा जिसकी वह योग्यता रखते हैं। वे मंगलवार को बीईंग मानव द्वारा सौ फीट रोड़ स्थित अशोका ग्रीन में आयोजित साप्ताहिक बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि उदयपुर शहर में भी कई संस्थाओं, कार्यालयों, दुकानों में काम करने वाले ऐसे लोग होंगे जिनमें विशेष योग्यता है लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियों, मजबूरी के चलते अपनी प्रतिभा को आगे नहीं ला पाते हैं, लेकिन हम यदि ऐसे लोगों को जानते हैं तो उन्हें आगे आने के अवसर प्रदान करने चाहिए। हमारे कार्यस्थल पर भी ऐसे कई लोग होते हैं जो विशेष योग्यता रखते हैं, अगर हम उन्हें आगे लाने का कार्य करें तो उन्हें हौसला एवं उचित मंच मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि मुकेश माधवानी प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने एवं उन्हें आगे बढ़ाने के लिए कई वर्षों से कार्य कर रहे हैं।

रिपोर्ट: दिनेश शर्मा मोबाइल: 7976412963

सेवा में समर्पित कर दिया जीवन, मदनमुनिजी के जितने गुण गाये वह कम: समकित मुनि

कठिन होता है सामर्थ्य होते हुए भी सेवक बनकर जीना।
सेंती शांतिभवन में मंगल प्रवचन के साथ मनाई पूज्य मदन मुनिजी म.सा. की जयंती

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया

शक्तिमान होकर भी जो सेवक बन कर जीते हैं वह बहुत जल्दी सिद्ध होने के नजदीक पहुंचते हैं। कठिन होता है सामर्थ्य होते हुए भी सेवक बनकर जीना। हनुमानजी और गौतम स्वामी ऐसे ही सामर्थ्यवान सेवक रहे ओर मेवाड़ प्रवर्तक भोले बाबा पूज्य मदन मुनिजी म.सा. भी ऐसे ही महापुरुष थे जिन्होंने सेवा में जीवन समर्पित कर दिया। जो सेवा में जीवन समर्पित कर दें वह बहुत जल्दी संसार सागर के पार हो जाते हैं। ये विचार श्रमण संघीय सलाहकार पूज्य सुमतिप्रकाशजी म.सा. के सुशिष्य आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने मंगलवार को सेंती में शांतिभवन में स्थानीय श्रीसंघ की ओर से पूज्य मदन मुनिजी म.सा.की 92वी जयंती के उपलक्ष्य आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए। पूज्य समकित मुनिजी म.सा. ने कहा कि मदन सौभाग्य की जोड़ी ऐसे गुरु भाई की रही जिसने जहां भी रहे रंग जमाया ओर मेवाड़ में धर्म की ज्योत को अखंड बनाने में योगदान किया। गांवों को धर्म के साथ जोड़ने का प्रयास किया। मुनिश्री ने कहा कि पूज्य मदन मुनिजी म.सा. का जितने भी गुण गाए कम है। प्रतिपल ऐसे महापुरुष का नाम ले तो कम है। आप सौभाग्यशाली है की आपको उनका आशीर्वाद मिला। देवलोक से अपनी दया दृष्टि हम पर बनाए रखें ऐसी मंगल कामना करते हैं। पूज्य समकितमुनिजी ने कहा कि वर्ष 2021 में चित्तौड़ चतुर्मास के लिए प्रवेश भी सेंती से

किया था ओर आज इस क्षेत्र से पूना चातुर्मास के लिए विहार भी सेंती से ही कर रहे है। उन्होंने पूज्य उप प्रवर्तक सुभाष मुनिजी म.सा. की सेहत के लिए भी मंगल कामना की। प्रवचन में साथ बिराजे पूज्य लोकेश मुनि जी का 22 फरवरी को दीक्षा दिवस होने से उनके प्रति भी मंगल कामना व्यक्त की। आध्यात्मिक क्षेत्र में दीक्षा दिवस से बड़ी उपलब्धि नहीं हो सकती है। उन्होंने धर्मसभा के अंत में चार दिन के प्रवास के दौरान चित्तौड़वासियो की सेवा भावना की सराहना करते हुए सभी श्रावक-श्राविकाओ के प्रति मंगलकामना व्यक्त की।

सेवा सुमेरु थे पूज्य मदन मुनिजी

प्रवचन में पूज्य लोकेश मुनि जी म.सा. ने कहा कि भोले बाबा मदन मुनि जी महारासा सहजता व सरलता की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने पूज्य मदन मुनि जी महाराज के साथ वर्ष 2013 में घासा चतुर्मास की यादों का स्मरण करते हुए कहा कि उन्हें सेवा सुमेरु कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। वह क्रोध मान का दमन कर वास्तव में मदन बने।वह हमारे दिल में बसे हैं। श्रमण संघ पर उनका दिव्य वरदहस्त सदा बना रहे। प्रवचन में गायनकुशल जयवंतमुनिजी म.सा. ने गीत 'जिनवाणी सुनकर अंतरमन को खोलना' की प्रस्तुति दी। प्रवचन में पूज्य जितेंद्र मुनिजी एवं प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य रहा।

पूज्य लोकेशमुनिजी को आदर की चादर समर्पित

धर्म सभा में हर्ष-हर्ष के जयघोष के बीच सेंती श्रीसंघ के अध्यक्ष लक्ष्मीलाल चंडालिया के नेतृत्व में श्रीसंघ के पदाधिकारियों ने पूज्य लोकेश मुनिजी म.सा. की दीक्षा जयंती के उपलक्ष्य में उनको आदर की चादर समर्पित की एवं उनके धर्म को समर्पित संयम जीवन की लिए मंगल कामना व्यक्त की। धर्मसभा में स्वागत गीत सेंती महिला मंडल की सदस्यों ने प्रस्तुत किया। श्रीसंघ चित्तौड़ के उपाध्यक्ष अजित नाहर एवं वरिष्ठ सुश्रावक डॉ रतनलाल मारू ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन ऋषभ सुराणा ने किया। धर्मसभा में सेंती संघ के अध्यक्ष लक्ष्मीलाल चण्डालिया, श्रीसंघ चित्तौड़ के अध्यक्ष अशोक मेहता, सेंती महिला मण्डल की अध्यक्ष दिलखुश खेरोदिया, जैन दिवाकर महिला परिषद की अध्यक्ष अंगुरबाला भड़कत्या सहित कई पदाधिकारी व बड़ी संख्या में श्रावक, श्राविकाएं मौजूद थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री सुधीर - अलका गोधा

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सदस्य

की वैवाहिक वर्षगांठ
(22 फरवरी) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, परामर्शक: दिनेश-संगीता गंगवाल
कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, सचिव: अनिल - निशा संघी, कोषाध्यक्ष: अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

पंचकल्याणक महोत्सव में मनाया ज्ञानकल्याणक

ऋषभदेव महामुनिराज की आहारचर्या में उमड़े श्रद्धालु, भव्य समवशरण में हुई दिव्य -देशना

ललितपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन आदिनाथ अतिशय क्षेत्र गिरारगिरी विकासखंड मड़ावरा में चर्या शिरोमणि , आध्यात्मिक संत आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के 27 पिच्छि धारी साधुओं के विशाल संघ सान्निध्य में ब्र. जय कुमार जी निशांत, पंडित सनत कुमार विनोद कुमार जैन के प्रतिष्ठाचार्यत्व में आयोजित श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक मानस्तम्भ जिनबिम्ब प्रतिष्ठा, विश्वशान्ति महायज्ञ एवं रथोत्सव महोत्सव में मंगलवार को ज्ञानकल्याणक अगाध श्रद्धा-आस्था पूर्वक मनाया गया। समवसरण में आचार्यश्री सहित 27 पिच्छिधारी मुनिराजों को देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। इस दौरान प्रातः अभिषेक,शन्तिधारा,नित्य महापूजन और तपकल्याणक की पूजन की गई। नव दीक्षित महामुनिराज ऋषभदेव की आहारचर्या हुई जिसमें पंचाश्चर्य देखकर भक्त भाव-विभोर हो उठे। जैसे ही ऋषभदेव (आदिनाथ) महामुनिराज आहारचर्या के लिए निकले चारों ओर से आवाज गूंज उठी हे स्वामी नमोस्तु, नमोस्तु ! आहारचर्या के लिए भक्तों में अपार उत्साह देखा गया। मुनिराज का नवधा भक्ति पूर्वक आहार हुआ। दोपहर में समवशरण की रचना का उदघाटन श्री विनोद कुमार जैन, अरविंद जैन, ऋषभ जैन, प्रकाश जैन सोरई वाले मडावरा ने किया, समवसरण की महाआरती का सौभाग्य विनोद जैन, विशाल जैन ,सौरभ चंदेरिया महामहायज्ञ परिवार को प्राप्त हुआ, आचार्यश्री को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य अभिषेक जैन दीपू महामंत्री गिरार कमेटी को प्राप्त हुआ। पाद प्रक्षालन का अवसर विनोद चंदेरिया बरायठा, अनिल चेतना इंदौर,दिनेश जैन जबलपुर को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज ने समवसरण में गणधर के रूप में अपनी दिव्य देशना में कहा कि कोई आत्मा तब तक परमात्मा नहीं बन सकती जब तक उसे संसार से विरक्ति न हो, वह तप न करे, केवलज्ञान न उत्पन्न हो तब तक वह परमात्मा बनने का अधिकारी नहीं है। हमें अपनी आत्मा को परमात्मा बनाने के लिए मोहरूपी शत्रु का नाश करना पड़ता है। वैभव छोड़ने का दृश्य देखना है तो तीर्थंकर के समवसरण देखो। ज्ञानकल्याणक की आंतरिक संस्कार क्रियाओं में नयन उन्मीलन, तिलक दान, केवलज्ञान, समवसरण रचना, देवागमन, दिव्यध्वनि विधि विधान के साथ की गई। केवलज्ञानोंत्पत्ति देख श्रद्धालु तीर्थंकर का जयकारा करने लगे, इस अवसर पर भगवान की केवल ज्ञानकल्याणक पूजन की गई। आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज व संघस्थ श्रमण मुनि श्री सुव्रतसागर जी महाराज, श्रमण मुनि श्री अनुत्तरसागर जी , श्रमण मुनि श्री अनुपमसागर जी, श्रमण मुनि श्री आराध्य सागर जी, श्रमण मुनि श्री प्रणेय सागर जी, श्रमण मुनि श्री प्रणीत सागर जी,श्रमण मुनि श्री प्रणुत सागर जी, श्रमण मुनि श्री सर्वार्थ सागर जी, श्रमण मुनि श्री साम्य सागर जी, श्रमण मुनि श्री समत्त्व सागर जी, श्रमण मुनि श्री सौम्य सागर जी, श्रमण मुनि श्री सारस्वत सागर ,श्रमण मुनि श्री संजयंत सागर जी, श्रमण मुनि श्री संयत सागर जी, श्रमण मुनि श्री यशोधर सागर जी, श्रमण मुनि श्री योग्य सागर जी, श्रमण मुनि श्री यतींद्र सागर जी, श्रमण मुनि श्री यत्न सागर जी, श्रमण मुनि श्री निर्ग्रन्थ सागर जी, श्रमण मुनि श्री निर्मोह सागर जी, श्रमण मुनि श्री निसंग सागर जी, श्रमण मुनि श्री निर्विकल्प सागर जी, श्रमण मुनि श्री जयन्द्र सागर जी, श्रमण मुनि श्री जितेंद्र सागर जी, श्रमण मुनि श्री जयंत सागर जी, श्रमण मुनि श्री सुभग सागर जी मुनिराजों ने प्रतिमाओं में सूर मंत्र देकर प्राण प्रतिष्ठा की ।

जैन राष्ट्र गौरव प्रोफेसर भागचंद्र जैन भागेन्दू का हुआ भव्य अभिनन्दन

मीडिया प्रभारी डॉ सुनील संचय ने बताया कि महोत्सव में मंगलवार को भारतीय साहित्य जगत के पुरोधा, बहुभाषाविद, इतिहासविद, पुरातत्ववेत्ता, जैनदर्शन के अध्येता, जैन राष्ट्र गौरव श्री प्रोफेसर भागचंद्र जैन भागेन्दू दमोह का राष्ट्रीय सम्मान श्री गिरार जी महोत्सव में ज्ञान कल्याणक की दोपहर में आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज के ससंघ सान्निध्य में संपन्न किया किया गया। जिसमें महोत्सव समिति एवं समाज श्रेष्ठिजनों ने प्रशस्ति पत्र, शाल, श्रीफल, अंगवस्त्र , माला आदि प्रदान कर अभिनंदन किया। आचार्यश्री ने अपना मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। प्रतिष्ठाचार्य ब्र. जयकुमार जी निशांत भैया ने कहा कि प्रोफेसर भागचंद्र जैन जी भागेन्दू हिंदी, संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश भाषा के प्रकांड विद्वान हैं, आपने अनेक कृतियों की रचना की। विश्वविद्यालय में विभिन्न पदों पर रहे साथ ही मध्यप्रदेश शासन में संस्कृति सचिव पद को भी सुशोभित किया।

सम्मेद शिखर जी में सिद्ध चक्र विधान 27 फरवरी से 8 मार्च तक

जयपुर. शाबाश इंडिया

सम्मेद शिखर जी मे शांतिनाथ धाम मे 1008 श्री अजीत नाथ भगवान के सामने 27 फरवरी से 8 मार्च तक श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन होगा। विधान मे झंडारोहन कर्ता परिवार उत्तम चंद पंकज कुमार बोहरा हीरा पथ मान सरोवर तथा सौधर्म ईन्द्र कमल किशोर- प्रेम देवी बडजात्या इन्कम कालोनी दुर्गापुरा जयपुर, सुरेश कुमार जैन श्रीमती मनोरमा देवी जैन आगरा वाले मान सरोवर, बाबू लाल श्रीमती कांन्ता देवी बिदांयका हीरा पथ मान सरोवर, हीरा लाल सेठी श्रीमती कुसुम देवी मान सरोवर , राजेन्द्र सेठी श्रीमती मंजू देवी सेठी मान सरोवर, निर्मल कुमार श्रीमती उर्मिला देवी गंगवाल सांगानेर होंगे। अध्यक्ष धन कुमार कासलीवाल, मंत्री सुरेन्द्र कुमार जैन हीरा पथ मान सरोवर जयपुर ने बताया कि श्री पारसनाथ दिगंम्बर जैन समाज समिति हीरा पथ मान सरोवर के सानिध्य मे हर वर्ष की भाती इस बार भी अष्टानिका के महापर्व के शुभ अवसर पर दिनाक 24 फरवरी 2023 से 10 मार्च 2023 तक श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान पूजन एंव विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन महातीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी मे होने जा रहा है। विधान प्रतिष्ठाचार्य पंडित श्रीमान् विमल जैन बनेठा वालों के सानिध्य मे सम्पन्न होगा। कार्यक्रम के मुख्य सयोजक बाबू लाल बिंदायका, सयोजक हीरा लाल सेठी को बनाया गया है।

विधान प्रतिष्ठाचार्य पंडित श्रीमान् विमल जैन बनेठा वालों के सानिध्य मे सम्पन्न होगा। कार्यक्रम के मुख्य सयोजक बाबू लाल बिंदायका, सयोजक हीरा लाल सेठी को बनाया गया है

आदिनाथ जैन मंदिर अजनोद में वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव 22 से 24 फरवरी तक होगा

इंदौर. शाबाश इंडिया

अजनोद तहसील सांवेर में दिगंबर जैन आदिनाथ जिनालय की नवनिर्मित वेदी का प्रतिष्ठा महोत्सव मुनिश्री सिद्धांत सागर जी महाराज के सानिध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी सुनील भैया एवं पंडित किशोर जी के निर्देशन में 22 फरवरी से 24 फरवरी तक होगा। मुख्य अतिथि होंगे प्रसिद्ध बीड़ी उद्योगपति एवं समाजसेवी आजाद कुमार जैन एवं मुकेश पाटोदी। प्रचार प्रमुख राजेश जैन दद्दू ने बताया कि तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के इंद्र इंद्राणी प्रोफेसर शांतिलाल एवं श्रीमती स्वर्ण लता बड़जात्या होंगे। जिनालय के निर्माण हेतु भूमि श्री शांतिलाल भागचंद सेठी परिवार अजनोद द्वारा प्रदान की गई है एवं जिनालय शिखर का निर्माण शिखर चंद आगरा वालों के द्वारा किया गया है। महोत्सव का शुभारंभ 22 फरवरी को प्रातः7 बजे घट यात्रा जुलूस, ध्वजारोहण एवं मुनि श्री के प्रवचन से होगा। 23 फरवरी को प्रात नित्य नियम अभिषेक, पूजन एवं शांति धारा और याग मंडल विधान व वेदी शुद्धि होगी। महोत्सव का अंतिम दिन 24 फरवरी को प्रातः 7:30 बजे नूतन वेदी में मूलनायक तीर्थंकर आदिनाथ भगवान की प्रतिमा विराजमान होगी पश्चात हवन, मुनि श्री के प्रवचन एवं महामस्तकाभिषेक होगा। प्रतिदिन संध्या आरती, रात्रि में शास्त्र प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

महोत्सव का शुभारंभ 22 फरवरी को प्रात :7 बजे घट यात्रा जुलूस, ध्वजारोहण एवं मुनि श्री के प्रवचन से होगा।

Happy Birthday

प्रमुख समाज सेवी

श्री दर्शन जैन बाकलीवाल

मोबाईल नम्बर 9414073035

को जन्मदिन 22 फरवरी पर

हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

शुभेच्छु: समस्त परिवार जन व मित्रगण

25th Anniversary

श्रीमती अलका - सुधीर गोधा

सचिव: जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल सांगिनी

Happy Anniversary

को 25 वी वैवाहिक वर्षगांठ (22 फरवरी, 2023) पर

हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई

शुभेच्छु: समस्त संगिनी कैपिटल परिवार

महासमिति मानसरोवर संभाग का शपथ ग्रहण समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति मानसरोवर संभाग का शपथ ग्रहण समारोह थडी मार्केट जैन मंदिर में आयोजित किया गया।इस अवसर पर अध्यक्ष राजेंद्र साह ने बताया कि राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र जैन पांड्या, राजस्थान अंचल के महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश जैन बांदीकुई, कार्यध्यक्ष डा णमोकार जैन, मुख्य अतिथि अशोक बाकलीवाल,दीपप्रजवलन कर्ता पवन गोदिका रहे।संभाग के मंत्री सोभागमल जैन ने बताया कि पश्चिम संभाग के अध्यक्ष निर्मल संघी, सांगानेर संभाग के पंडित कैलाश जैन मलैया, महारानी संभाग के अध्यक्ष नरेन्द्र सेठी की गरिमा मयी उपस्थिति रही।राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र जैन पांड्या ने नव निर्वाचित अध्यक्ष राजेन्द्र साह के अलावा संभाग के मंत्री सोभागमल जैन, कोषाध्यक्ष ज्ञानचन्द जैन, महिला प्रकोष्ठ मंत्री श्रीमती रानी पाटनी, युवा प्रकोष्ठ मंत्री सुबोध जैन टोंग्या के अलावा कार्य कारिणी पदाधिकारी एंव सदस्यों को शपथ ग्रहण कराई गई।प्रचार मंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर आठ विशिष्ट सदस्य मानसरोवर संभाग के परिवार से जुड़ने की अपनी सहमति प्रदान की जिसमें विनोद बाकलीवाल, विमल जैन, सुशील कुमार जैन, प्रमोद बाकलीवाल, अनिल बाकलीवाल दिलीप साह,सुनील गंगवाल,महीप जैन उपस्थित रहे।मंगलाचरण श्रीमती ललिता जैन, श्रीमती आशा साह, श्रीमती मृदुला जैन ने किया। रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया श्रीमती रानी पाटनी श्रीमती साधना जैन ने किया।।इस अवसर पर दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के यादगार स्वरुप प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।मंच संचालन सोभागमल जैन संभाग मंत्री ने किया उन्होंने पधारे हुए सभी गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया। जिन्होने अपने अमूल्य समय में से समय निकालकर कर

महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल,डा णमोकार जैन, एवं कोषाध्यक्ष सुरेश जैन बांदीकुई ने कहा कि राजेन्द्र शाह कोविड के समय से आज तक मानवीय सेवायें दे रहे हैं, जिसमें गरीबों निःशुल्क भोजन वितरण एवं राशन किट वितरण पर उनके कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए उनको शानदार तरीके शपथ ग्रहण समारोह को सम्पन्न कराने में अपनी भूमिका निभाई।साथ ही मंदिर समिति के अध्यक्ष पवन जैन नगीना, मंत्री अनिल बाकलीवाल एवं प्रबंध कार्य कारिणी समिति को स्थान एवं सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया।

क्षेत्र संख्या 10 कोर ग्रुप की सातवीं बैठक सम्पन्न

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया।

सागर। भारतीय जैन मिलन क्षेत्र संख्या 10 की कोर ग्रुप की सातवीं बैठक अतिशय क्षेत्र मंगलगिरी सागर में संपन्न हुई। बैठक के एजेंडे में प्रमुख रूप से क्षेत्रिय अधिवेशन शीघ्र कराने पर विचार विमर्श हुआ , क्षेत्रीय अधिवेशन दमोह मे कराने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। तिथि एवं स्थान शीघ्र घोषित किया जाएगा। आगामी 18 एवं 19 मार्च को अहिक्षेत्र पारसनाथ में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने के लिए विचार विमर्श किया गया। अन्य विषयों पर भी संक्षिप्त वार्ता हुई जो प्रमुख रूप से नई शाखाएं खोलने, निष्क्रिय शाखाओं को सक्रिय करने एवं जिन शाखाओं की केंद्रीय शुल्क प्राप्त नहीं हुई हैं उनसे केंद्रीय शुल्क प्राप्त करने हेतु सम्पर्क कर के शुल्क प्राप्त की जाए। जैन मिलन वरिष्ठ शाखा दमोह को पटेरा मे नवीन शाखा खुलवाने के किए गए उत्कृष्ट कार्यों हेतु सभी का आभार व्यक्त किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय मंत्री अतिवीर कमलेन्द्र जी,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतिवीर नेमकुमार जैन सराफ, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री इंजीनियर आर के जैन, क्षेत्रीय अध्यक्ष वीरांगना कविता जैन बजाज आपकी अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई, अतिवीर ललित जैन सराफ, वीर संजय जैन शक्कर द्वय क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, अतिविरंगना कविता ऋषभ जैन क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, अतिविरंगना मंजू जैन सतभैया क्षेत्रिय महिला चेयर पर्सन, अतिवीर प्रमोद जैन भाइजी क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय मंत्री अतिवीर अरुणजैन चंदेरिया ने भाग लिया। बैठक के बाद सभी सदस्यों द्वारा शाखाओं से प्राप्त इस वर्ष की प्रगति फाइल का अवलोकन किया।

वार्षिकोत्सव व रथयात्रा महोत्सव हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ

सकल जैन समाज ने निकाली श्रीजी की रथयात्रा श्रद्धा से उमड़ा जनसैलाब

बनेठा. शाबाश इंडिया

राणा प्रताप और मीरा के तप त्याग और साधना की पावन वसुंधरा राजस्थान प्रांत के टोंक जिले के उनियारा उपखंड के सूंथडा कस्बे में स्थित मुनिसुव्रतनाथ सुखोदय अतिशय क्षेत्र में श्रीजी की रथयात्रा महोत्सव को बड़े श्रद्धा भक्ति भाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। अतिशय क्षेत्र के प्रवक्ता मनोज जैन ने बताया कि प्रातः काल की शुभ बेला में भगवान मुनिसुव्रतनाथ की प्रतिमा को जैन वैदिक मंत्रोच्चार से पूजा अर्चना कर रथ में विराजमान किया गया। रथयात्रा में बैंड बाजे की धुन एवं भजन मंडली ने संगीत की स्वर लहरियों से मनमोहक भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय में डूबा दिया। रथ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में सकल जैन समाज की महिलाएं केशरिया एवम पुरुष सफेद परिधान में शामिल थे बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था सबसे बड़ी बात यह रही कि अन्य समाज के लोग भी बड़े उत्साह से रथयात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। वही रथ यात्रा के दौरान जगह जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर जुलूस का भव्य स्वागत किया। इस मौके पर समाज की महिलाएं सिर पर मंगल कलश लेकर चल रही थी। रथ में ख्वासी की भूमिका नरेंद्र कुमार, अनिल कुमार भरनी वाले टोंक ने एवं सारथी एवं मुख्य शान्तिधारा की भूमिका विमल कुमार, सुगनचंद छाबड़ा परिवार उनियारा ने, भगवान के चंवर ढुलाने का सौभाग्य बाबूलाल, ओमप्रकाश एवं बाबूलाल मुकेश कुमार को मिला।

वही मूलनायक श्रीजी को लाडू चढ़ाने का सौभाग्य राजेंद्र कुमार, दिनेश कुमार पाटोदी परिवार उनियारा को मिला। शान्तिधारा करने का सौभाग्य बाबूलाल कासलीवाल उनियारा एवं विमल ढेठानी मालपुरा को मिला। साथ ही श्रीजी पर छत्र लगाने का सौभाग्य महावीर पराना एवं निरोज भानजा निवाई को मिला। कार्यक्रम की पूर्व संध्या को जैन नसिया में भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया जिसमें 48 दीपकों से अर्घ चढ़ाए गए। इस मौके पर सुखोदय अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष महावीर पराना, बरधी चन्द जैन, बाबूलाल कासलीवाल, अजय गोधा अलीगढ़, बसंत जैन बनेठा, महावीर प्रसाद ढिकोलिया, संतू उनियारा त्रिलोक बनेठा सहित समाज के वरिष्ठ लोग उपस्थित थे। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी जैन युवा पत्रकार गौरव सर्व श्रेष्ठ संवाद डाटा अवार्ड विजेता जैन पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा ने बताया कि कार्यक्रम में अलीगढ़, उनियारा, बनेठा, ढिकोलिया, टोंक, नैनवा, निवाई, मालपुरा, चाकसू आदि कई स्थानों से श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए।

नवकार ग्रुप द्वारा धार्मिक यात्रा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

नवकार ग्रुप द्वारा धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। ग्रुप अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने अवगत कराया कि दिनांकः 19 फरवरी, रविवार को 50 सदस्यों द्वारा माधोराजपुरा, डाबीच, चाकसू एवं पदमपुरा की यात्रा की गई। माधोराजपुरा में भगवान पार्श्वनाथ की शांतिधारा करवाई गई एवं ग्रुप सदस्य प्रशान्त-कल्पना छाबड़ा की वैवाहिक वर्षगाठ होने पर उनका सम्मान किया गया। डाबीच ग्राम में दिनेश कुमार एडवोकेट एवं अलका जैन द्वारा भक्तामर विधान की पूजन करवाई गई जिसमे ग्रुप के सदस्य द्वारा भक्तिमय प्रस्तुति दी गई। ग्रुप सदस्यों का सम्मान किया गया एवं वहां सभी सदस्यों को सुबह का नाश्ता एवं लंच का प्रबन्ध आयोजक द्वारा करवाया गया। चाकसू में भगवान आदिश्वर के दर्शन करते हुऐ पदमपुरा पहुंचे वहां भक्तिभाव से आरती की गई। सचिव गिरीश कुमार जैन द्वारा सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।